

चलो रे शिखर जी को | Riyaz Hindustani

झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को
प्रभु जी हम भी हर दम आवें, सदा तुम्हरो ध्यान लगावे
बन जाऊं भगवान् चालो रे शिखर जी को
झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को

शाश्वत तीरथ है ये हमारा
इससे मिलता मुक्ति का द्वारा
इस पर हमारा अधिकार चालो रे शिखर जी को
झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को

मेरे शिखर जी की शोभा है न्यारी
ऊँचे ऊँचे पर्वत भारी
टोंक हैं जिनपे अपार चालो रे शिखर जी को
झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को

सबसे पहले मधुबन मिलता
दर्शन से मन हर्षित होता
चैत्य लेह मनवार चालो रे शिखर जी को
झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को

समवशरण भी बना है भारी
इसमें चौबीसी अति प्यारी
समवशरण है महान चालो रे शिखर जी को
झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को

आगे बढे तो गन्धर्व नाला
इसमें बहती शीतल धरा
प्यास बुझाते नर नार चालो रे शिखर जी को
झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को

प्यारा प्यारा तीरथ हमारा
इसमें मिलता शीतल नाला
मिट जाए साड़ी थकान चालो रे शिखर जी को
झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को

धीरे धीरे सब चढ़ जावे
पूजा पाठ में ध्यान लगावें
करें अपना उद्धार चालो रे शिखर जी को
झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को

प्रभु अनंत तो मोक्ष गए हैं
यहीं पर योग निरोध किये हैं
किया कर्म निस्तार चालो रे शिखर जी को
झिमझिम उड़े रे गुलाल चालो रे शिखर जी को
आई रे भक्ति की बहार चालो रे शिखर जी को

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%96%e0%a4%b0-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%8b-riyaz-hindustani/>